स्वैच्छिक संगठनों को अनुदान

22. **श्री विश्वासराव रामराव पाटिल :** क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि.

(क) मानव संसाधन विकास मंत्रालय में किन-किन वस्तुओं या मदों के लिये सरकार द्वारा स्वैच्छिक संगठनों को सहायता/अनुदान प्रदान किया जाता है;

(ख) इन संगठनों को दिये जाने वाले अनुदानों के मुख्य निबन्धन तथा शर्तें क्या-क्या हैं; और

(ग) सरकार इन संगठनों द्वारा अनुदानों का दुरुपयोग किये जाने पर किस प्रकार नियंत्रण रखती है?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा और संस्कृति विभागों में राज्य मंत्री (श्री एल० पी० साही): (क) विवरण संलग्न है **[देखिये** परिशिष्ट 149, अनुपत्र संख्या 3]

(ख) अनुदान विभिन्न योजनाओं के अनतर्गत संस्वीकृत किए जाते हैं। बशर्ते कि गैर-सरकारी संगठनों को अनुदानों की संस्वीकृति को अभिशासित करने वाली सामान्य शर्तें हों जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ, एक करार-बंध का निष्पादन, उपयुक्त लेखों का रख-रखाव, परीक्षित-लेखों और उपयोगिता-प्रमाण-पत्रों को प्रस्तुत करना, सरकारी-अनुदानों आदि में से पूर्ण रूप से अथवा पर्याप्त रूप से अर्जित परिसम्पत्तियों के अभिलेखों का रख-रखाव शामिल है। अनुदानग्राही संस्था के लेखों की भारत के नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक द्वारा कभी भी परीक्षा-जांच की जा सकती है। उन लेखों की जांच भारत सरकार अथवा राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किसी अधिकारी द्वारा भी की जा सकती है। परीक्षा जांच के अतिरिक्त, केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार अथवा नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक, केन्द्रीय सरकार अथवा राज्य सरकार स्वैच्छिक ऐजेन्सियों द्वारा संचालित कार्यक्रमों का मूल्यांकन भी कर सकती है।

(ग) स्वैच्छिक संगठनों और अन्य क्रियान्वयन एजेन्सियों को मुक्त की गई निधियों के उपयुक्त उपयोगिता को सुनिश्चित करने के लिए, उनकी वास्तविक उपलब्धियों पर प्रगति-रिपोर्टें उनसे आवधिक रूप से प्राप्त की जाती हैं। उनसे यह भी अनुरोध किया जाता है कि उन्हें मुक्त की गई राशियों के संबंध में वे वित्तीय-वर्ष की समाप्ति के बाद उपयोगिता-प्रमाणपत्रों सहित व्यय के परीक्षित लेखे प्रस्तुत करें। जहां निधियों का पूर्ण रूप से उपयोग नहीं किया जाता, वहां आगे के वर्ष में इन संगठनों को अनुमत्य सहायता-अनुदान में खर्च न किए गए शेष को समायोजित कर दिया जाता है।

राजस्थान के पिछड़े क्षेत्रों में नवोदय विद्यालय

23. **श्री संतोष बागड़ोदिया :** क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राजस्थान के पिछड़े क्षेत्रों/जिलों में जिलावार, कितने नवोदय विद्यालय खोले गये हैं;

(ख) इन विद्यालयों में पढ़ाये जा रहे पाठ्यक्रमों की मुख्य विशेषताएं क्या-क्या हैं; और

(ग) निकट भविष्य में इस राज्य में कितने अतिरिक्त नवोदय विद्यालय खोले जाने की संभावना है और उन्हें किन-किन स्थानों पर खोला जायेगा?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा और संस्कृति विभागों में राज्य मंत्री (श्री एल० पी० साही): (क) नवोदय विद्यालयों के स्थान दर्शाने वाले जिलों की एक सूची संलग्न है **(नीचे** देखिये) जबकि जिलावार कोई विशिष्ट सूचना उपलब्ध नहीं है फिर भी ऐसा अनुमान है कि 50% से अधिक नवोदय विद्यालय पिछड़े समझे जाने वाले जिलों में खोले गए हैं।

(ख) सभी नवोदय विद्यालयों को केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से सम्बद्ध किया जाएगा। बोर्ड द्वारा माध्यमिक तथा सीनियर माध्यमिक परीक्षाओं के लिए निर्धारित पाठयचर्या इन विद्यालयों के लिए भी लागू होगी। विद्यालयों में चार शैक्षिक विषय होंगे अर्थात मानविकी, विज्ञान, वाणिज्य और व्यावसायिक। शारीरिक शिक्षा, खेल-कूद, योगा, सांस्कृतिक क्रियाकलाप और ललित कलाएं, परियोजना कार्य, शैक्षिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक अभिरुचि के स्थानों की पदयात्रा और कार्य अनुभव को परिश्रम पूर्ण रूप से बढ़ावा दिया जाएगा और इनके लिए पर्याप्त प्रबंध किए जाएंगे।

(ग) भावी वित्तीय बाधाओं को ध्यान में रखते हुए नए नवोदय विद्यालय खोलने से संबंधित योजना को धीमा कर दिया गया है।

राजस्थान में कार्य कर रहे नवोदय विद्यालयों की सूची

1. कुचामन सिटी, जिला नागौर
2. सरदार-शहर, जिला चुरु
3. गांव बुडवा, जिला बंसवारा
4. राजसमंद, जिला उदयपुर
5. गांव पओटा, जिला जयपुर
6. गांव हुर्डा गुलाबपुरा, जिला भीलवाड़ा
7. गांव मंदफिया, जिला चितौड़गढ़
8. जसवंतपुरा, जिला जालौर
9. पटन (नीम-का-थाना), जिला सीकर
10. गांव अतरु, जिला कोटा
11. पचपादरा नगर, जिला बारमेर
12. गांव थर्कडा, जिला दुगंरपुर
13. गांव नंदला (नसीराबाद), जिला अजमेर
14. मोहनगढ़, जिला जैसलमेर
15. गांव मैवाली, जिला गंगानगर
16. गांव तिलवासनी, जिला जोधपुर
17. गांव चन, जिला टौंक
18. गांव पचपाहर, जिला झतलावाड़
19. गांव खेरथल, जिला अलवर
20. गांव जोंबावर, जिला पाली

राजस्थान में युवा होस्टल

24. **श्री संतोष बागड़ोदिया:** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राजस्थान में कुल कितने युवा होस्टल हैं और ये होस्टल किन-किन जिलों में, किन-किन स्थानों पर स्थित हैं; और

(ख) क्या निकट भविष्य में इस राज्य में इस प्रकार के कुछ होस्टलों के खोले जाने का विचार है; यदि हां, तो उनके किन-किन जिलों में, किन-किन स्थानों पर और कब तक खोले जाने की संभावना है?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में युवा कार्य और खेल तथा महिला और बाल विकास विभागों में राज्य मंत्री (श्रीमती मारग्रेट अल्वा) : (क) इस समय जयपुर में एक युवा छात्रवास चल रहा है।

(ख) राजस्थान में चार और युवा छात्रवास जोधपुर, कोटा, उदयपुर और अजमेर में सिद्धांत रूप में मंजूर किए गए हैं। जोधपुर में छात्रवास हेतु अनुदान की प्रथम किश्त दी गई है।

अमरीका के नए प्रशासन के साथ संबंधों में सुधार किया जाना

25. **श्री ईश दत्त यादव:** क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या श्री बुश द्वारा अमरीका के नए राष्ट्रपति के रूप में प्रशासन संभालने के बाद सरकार ने भारत-अमरीका संबंधों को राजनीतिक तथा कूटनीतिक, दोनों स्तरों पर सुधारे जाने के लिए कोई प्रयास किए हैं; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ख) इसके प्रति अमरीकी प्रशासन की क्या प्रतिक्रिया रही है?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (प्रो० के० के० तिवारी) : (क) 20 जनवरी, 1989 को राष्ट्रपति बुश द्वारा अपने पद का कार्यभार संभालने के बाद थोड़ी ही अवधि में कई द्विपक्षीय आदान-प्रदान हुए: राष्ट्रपति, प्रधान मंत्री और राष्ट्रपति बुश के बीच और विदेश मंत्री और अमरीका के विदेश मंत्री के बीच संदेशों और पत्रों का आदान-प्रदान, प्रौद्योगिकी अन्तरण के बारे में द्विपक्षीय बातचीत, और इस समय अमरीका, नई दिल्ली में आठवें भारतीय इंजीनियरी व्यापारी मेले में भागीदार देश के रूप में भाग ले रहा है। इन घटनाओं से दोनों देशों के इस दृढ़-निश्चय की पुष्टि होती है कि वे द्विपक्षीय संबंधों को संवर्धित करते रहेंगे और एक-दूसरे के दृष्टिकोण को और अच्छी तरह समझेंगे।

(ख) राष्ट्रपति के नाम अपने गणतंत्र दिवस संदेश में राष्ट्रपति बुश ने नीचे लिखे अनुसार कहा है:

"राष्ट्रपति के नाते मैं चाहता हूं कि दोनों देशों के बीच संबंध और भी सुदृढ़ हों। भारत और अमरीका का स्वतंत्रता और लोकतंत्र के आदर्शों में एक-समान विश्वास है। आज हमारे दोनों महान लोकतांत्रिक देश परस्पर लाभ और समूची मानवता के लाभ के लिए मिलकर कार्य